व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय, उस्मानाबाद

हिंदी विभाग

वार्षिक प्रतिवेदन

शैक्षिक वर्ष २०२१-२२

१. भारतज्योति गुरु गौरव विद्या रत्न सम्मान (दि. ५ सितम्बर २०२१) :-

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयन्ती के अवसर पर डॉ. विनोदकुमार वायचळ को भारतज्योति गुरु गौरव विद्या रत्न सम्मान देकर सम्मनित किया गया।

२. आजादी का अमृत महोत्सव उपक्रम में सहभाग (दि. १४ से २० सितम्बर २०२१) :-

हिंदी दिवस तथा आज़ादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में संत सावता माली महाविद्यालय, फुलंब्री आयोजित शौर्य कथावाचन, एवं देशभक्ति काव्य/ गीत गायन उपक्रम में प्राचार्य डॉ. प्रशांत चौधरी, डॉ. विनोदकुमार वायचळ, डॉ. संजय जोशी, सुश्री. गीता सोती और सुश्री. अमृता देशपांडे आदि ने सक्रिय सहभाग लिया।

३. मुक्ताई राष्ट्रीय हिंदी गौरव पुरस्कार (दि. १४ सितम्बर २०२१) :-

किरण बहुद्देशीय संस्था, वर्धा द्वारा हिंदी भाषा, साहित्य और अनुसंधान के क्षेत्र में किये गए अतुलनीय कार्य के लिए डॉ. विनोदकुमार वायचळ को मुक्ताई राष्ट्रीय हिंदी गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

४. राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता 'हिंदी के प्रचार-प्रसार में चलचित्रों का योगदान' का आयोजन (दि. **१४ सितम्बर २०२१**) :-

इस राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगोता में श्री. षैजू के., शोधछात्र, हिंदी विभाग, कोच्चीन विश्वविद्यालय, कोच्चीन, केरल ने सर्वप्रथम स्थान प्राप्त कर ₹ २००१/- (रुपये दो हज़ार एक मात्र) श्री. हेमंतकुमार सिंह रामविलास वर्मा, श्री. जयनारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनौ, उत्तर प्रदेश ने सर्वद्वितीय स्थान प्राप्त कर ₹ १५०१/- (रुपये एक हज़ार पाँच सौ एक मात्र) सुश्री. आलमास गुलशेर खान पठाण, सरस्वती भुवन

महाविद्यालय, औरंगाबाद ने सर्वतृतीय स्थान प्राप्त कर ₹ १००१/- (रुपये एक हज़ार एक मात्र) पुरस्कार प्राप्त किये।

५. हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति पर अतिथि व्याख्यान (दि. १५ सितम्बर २०२१) :-

जवाहर महाविद्यालय, अणदूर आयोजित ऑनलाइन हिंदी सप्ताह समारोह २०२१ में डॉ. विनोदकुमार वायचळ का हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति पार अतिथि व्याख्यान सम्पन्न हुआ।

६. राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी में शोधालेख पठन (दि. २६ नवम्बर २०२१) :-

महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई एवं कै. व्यंकटराव देशमुख महाविद्यालय, बाभलगाँव, जि. लातूर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी 'हिंदी साहित्य में संवैधानिक मूल्य' में डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने 'मनीषा कुलश्रेष्ठ रचित उपन्यास ' शिगाफ' में चित्रित संवैधानिक मूल्य' शीर्षक शोधालेख पठन किया।

७. 'रस सिद्धांत' विषय पर अतिथि व्याख्यान (दि. ०८ दिसंबर २०२१) :-

श्री. मुक्तानन्द महाविद्यालय, गंगापुर आयोजित 'रस सिद्धांत' विषय पर डॉ. विनोदकुमार वायचळ का अतिथि व्याख्यान सम्पन्न हुआ।

८. अंतर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी संपन्न (दि. १० जनवरी २०२२) :-

व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय हिंदी दिन का औचित्य साध कर ऑनलाईन पद्धति से अंतर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी का आयोजन किया। व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय,रामकृष्ण परमहंस महाविद्यालय व तेरणा महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में इस वेब संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन संस्थे के कोषाध्यक्ष शेषाद्री डांगे जी ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी, हिंदी विभाग प्रमुख प्रा. डॉ.विनोदकुमार वायचळ, प्रा. डॉ. संजय जोशी की उपस्थिति रही। हिंदी भाषा के विकास में प्रवासी भारतीयों का योगदान इस विषयावर इस वेब संगोष्ठी का आयोजन किया।

इस वेबीनार में हिमाचल प्रदेश मधील कुल्लू स्थित प्रो. डॉ. सुरत ठाकूर जी ने अन्य देशों में हिंदी भाषा के विकास का इतिहास स्पष्ट किया। नेदरलँड के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. मोहनकांत गौतम जी ने नेदरलँड, गयाना के हिंदी शिक्षण की भूमिका स्पष्ट की। नार्वे निवासी हिंदी के जेष्ठ साहित्यिक डॉ. सुरेशचंद्र शुक्ल जी ने युरोपीय देशों में हिंदी भाषा की सद्यस्थिति इस विषया पर आपने मत व्यक्त किये।

इस वेबिनार का अध्यक्षीय समापन तपस्वी पब्लिक चॅरिटेबल ट्रस्ट के सचिव ॲड. मिलिंद पाटील जी ने किया। इस कार्यक्रम का प्रास्ताविक व आभार हिंदी विभाग प्रमुख प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने तो सूत्रसंचालन प्रा. डॉ. संजय जोशी ने किया। इस वेबीनार में ४०० से भी अधिक हिंदी प्रेमी ऑनलाईन पद्धती से सहभागी हुए।

९. राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता 'हिंदी के प्रचार-प्रसार में पत्रकारिता का योगदान' का आयोजन (दि. १० जनवरी २०२२) :-

इस राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता में श्री. षैजू के., शोधछात्र, हिंदी विभाग, कोच्चीन विश्वविद्यालय, कोच्चीन, केरल ने सर्वप्रथम स्थान प्राप्त कर ₹ २००१/- (रुपये दो हज़ार एक मात्र) श्री. हेमंतकुमार सिंह रामविलास वर्मा, श्री. जयनारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनौ, उत्तर प्रदेश ने सर्वद्वितीय स्थान प्राप्त कर ₹ १५०१/- (रुपये एक हज़ार पाँच सौ एक मात्र) सुश्री. अस्मिता लहू मेंढे, तेरणा अभियांत्रिकी महाविद्यालय, उस्मानाबाद, महाराष्ट्र ने सर्वतृतीय स्थान प्राप्त कर ₹ १००१/- (रुपये एक हज़ार एक मात्र) पुरस्कार प्राप्त किये।

१०. अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी पर आधारित भित्तिपत्रक का उद्घाटन (दि. २६ जनवरी २०२२) :-

भारतीय प्रजासत्ताक दिन के उपलक्ष्य में हिंदी विभाग की ओर से विश्व हिंदी दिन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी ' हिंदी के प्रचार-प्रसार में प्रवासी भारतीयों का योगदान' के क्षणचित्रों के युक्त भित्तीपत्रक का उद्‌घाटन एड. मिलिंद पाटील, श्री. आण्णा डांगे और डॉ. मनीष देशपांडे जी के करकमलों से हुआ।

११. राज्यस्तरीय शोध कार्यशाला में सहभाग (दि. १२ अप्रैल २०२२) :-

डॉ. सौ. इंदिरा भास्कर पाठक महिला कला महाविद्यालय, औरंगाबाद (संभाजीनगर) में आयोजित एक दिवसीय शोध कार्यशाला 'भाषा और साहित्य अनुशंधान की दिशा' में डॉ. विनोदकुमार वायचळ, सुश्री. स्वाति देडे, श्री. इरशाद मोमीन, सुश्री. धनश्री धमाने और सुश्री. अवन्ती जानराव ने सक्रिय सहभाग लिया।

१२. अनुदित जीवनी का प्रकाशन (दि. २९ अप्रैल २०२२) :-

स्वामी विवेकानन्द शिक्षण संस्था, कोल्हापुर के संस्थापक परमपूज्य डॉ. बापूजी सालुंखे जी के मराठी जीवन चरित्र (मूल लेखक डॉ. गजानन सुर्वे) का डॉ. विनोदकुमार वायचळ द्वारा किये हिंदी अनुवाद

‘परमपूज्य डॉ. बापूजी सालुंखे : व्यक्तित्व एवं कार्य’ का लोकार्पण संस्था के अध्यक्ष श्री. चन्द्रकांत पाटील, कार्याध्यक्ष डॉ. अभयकुमार सालुंखे और काड सिद्धेश्वर महाराज जी के करकमलों से कोल्हापुर में हुआ।

शिक्षणमहर्षि परमपूजनीय डॉ. बापूजी सालुंखे (व्यक्तित्व एवं कार्य) पुस्तक की पांडुलिपि के लिए हमें तीन वर्ष पहले ही बदायूँ ' बाँकेलाल शर्मा स्मृति हिंदी विभूषण श्री' (सम्मान पत्र, स्मृतिचिह्न और ₹ २१००/- नगद) पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

१३. आभासी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभाग (दि. १२ मई २०२२) :-

अंजुमन खैरुल इस्लाम के पूना महाविद्यालय, पुणे एवं विश्व हिंदी साहित्य सेवा संस्थान, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित आभासी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ‘डॉ. विमल कुमार के काव्य पर परिचर्चा’ में डॉ. विनोदकुमार वायचळ सक्रिय सहभाग लिया।

१४. उत्कृष्ट प्रपत्र वाचन सम्मान :-

महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी एवं संत सावता माळी महाविद्यालय, फुलंब्री के संयुक्त तत्वावधान में आज़ादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी में 'राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर जी की कविता 'हिमालय के प्रति' में व्यक्त राष्ट्रीय भावना' इस शोधालेख के उत्कृष्ट प्रपत्र वाचन का ₹ १०००/- (एक हजार रुपये मात्र) का पुरस्कार डॉ. संजय जोशी जी को घोषित होने पर सत्कार किया गया।

१५. राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधालेख वाचन (दि. १४-१५ मई २०२२) :-

विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान एवं राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान परम्परा के आलोक में हिंदी शीर्षक द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. विनोदकुमार वायचळ शोधालेख वाचन किया।

१६. राष्ट्रीय साधारण सभा में सहभाग (दि. २१-२२ मई २०२२) :-

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में विद्याभारती उच्च शिक्षा संस्थान राष्ट्रीय साधारण सभा में डॉ. विनोदकुमार वायचळ सक्रिय सहभाग लिया।

१७. ऑनलाइन संगोष्ठी में सहभाग (दि. २६ मई २०२२) :-

बलभीम महाविद्यालय, बीड आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी ‘दलित साहित्य : समकालीन चुनौतियाँ और संभावनाएँ’ में डॉ. विनोदकुमार वायचळ सक्रिय सहभाग लिया।

१८. संत कबीर राष्ट्रीय सम्मान (दि. १४ जून २०२२) :-

राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना, उज्जैन, मध्य प्रदेश प्रादेशिक इकाई छत्तीसगढ़ के कोंफ्लुएंस महाविद्यालय, राजनांदगाँव में संत कबीर जयन्ती के अवसर पर डॉ. विनोदकुमार वायचळ को राष्ट्रीय संत कबीर साहित्य श्री सम्मान से विभूषित किया गया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. विनयकुमार पाठक के करकमलों से यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

१९. कबीर की शब्द साधना शीर्षक शोधालेख पठन (दि. १४ जून २०२२) :-

राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना, उज्जैन, मध्य प्रदेश प्रादेशिक इकाई छत्तीसगढ़ के कोंफ्लुएंस महाविद्यालय, राजनांदगाँव में संत कबीर जयन्ती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने ‘संत कबीर की शब्द साधना’ शीर्षक शोधालेख का पठन किया।

२०. मुक्तिबोध स्मारक का निरीक्षण (दि. १४ जून २०२२) :-

छत्तीसगढ़ के दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगाँव में स्थित हिंदी के सुप्रसिद्ध कवि गजानन माधव कुलकर्णी ‘मुक्तिबोध’ के स्मारक के संचालक डॉ. शंकर मुनीश्वर जी के मार्गदर्शन में डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने निरीक्षण किया। दिग्विजय महाविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, प्रो. डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र और गजानन माधव कुलकर्णी ‘मुक्तिबोध’ की पांडुलिपियों और अन्य चीजों का निरिक्षण किया।

अध्यक्ष हिंदी विभाग
व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय,
उस्मानाबाद

कार्यालय

प्राचार्य
व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय
उस्मानाबाद ४१३५०१

तपस्वी पब्लिक चॅरिटेबल ट्रस्ट, येवती संचलित

व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय, उस्मानाबाद

हिंदी विभाग

डॉ. संजय व्यंकटराव जोशी
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग

डॉ. प्रशांत गुणवंतराव चौधरी
प्राचार्य

डॉ. विनोदकुमार विलासराव वायचळ
सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग

राष्ट्रीय हिंदी दिन (१४ सितम्बर २०२१) के उपलक्ष्य में आयोजित

राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता

विषय : हिंदी के प्रचार-प्रसार में 'चलचित्रों' का योगदान

सर्वप्रथम

श्री. षैजू के.,

शोधछात्र, हिंदी विभाग, कोच्चीन विश्वविद्यालय, कोच्चीन, केरल

₹ २००१/- (रुपये दो हज़ार एक मात्र)

सर्वद्वितीय

श्री. हेमंतकुमार सिंह रामविलास वर्मा,

श्री. जयनारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनौ, उत्तर प्रदेश

₹ १५०१/- (रुपये एक हज़ार पाँच सौ एक मात्र)

सर्वतृतीय

सुश्री. आलमास गुलशेर खान पठाण,

सरस्वती भुवन महाविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र

₹ १००१/- (रुपये एक हज़ार एक मात्र)

सांत्वना पुरस्कार

सुश्री. सुल्ताना हमीद इद्रसी

महिला महाविद्यालय, कराड जि. सातारा, महाराष्ट्र

₹ ५०१/- (रुपये पाँच सौ एक मात्र)

श्री. अकबर चाँदपाशा सय्यद

रामकृष्ण परमहंस महाविद्यालय, उस्मानाबाद, महाराष्ट्र

₹ ५०१/- (रुपये पाँच सौ एक मात्र)

सुश्री. सुमन सुभाष तुषीर

गीता विद्या मंदिर, सोनीपत, हरियाणा

₹ ५०१/- (रुपये पाँच सौ एक मात्र)

राष्ट्रीय हिंदी दिन के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता

विश्व हिंदी दिन के उपलक्ष्य में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी

तपस्वी पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट, येवती संचलित

व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय, उस्मानाबाद

हिंदी विभाग

डॉ. संजय व्यंकटराव जोशी	डॉ. प्रशांत गुणवंतराव चौधरी	डॉ. विनोदकुमार विलासराव वायचळ
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग	प्राचार्य	सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग

विश्व हिंदी दिन (१० जनवरी २०२२) के उपलक्ष्य में आयोजित

राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता

विषय : हिंदी के प्रचार-प्रसार में 'पत्रकारिता' का योगदान

सर्वप्रथम

श्री. षैजू के.,

शोधछात्र, हिंदी विभाग, कोच्चीन विश्वविद्यालय, कोच्चीन, केरल

₹ २००१/- (रुपये दो हज़ार एक मात्र)

सर्वद्वितीय

श्री. हेमंतकुमार सिंह रामविलास वर्मा,

श्री. जयनारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनौ, उत्तर प्रदेश

₹ १५०१/- (रुपये एक हज़ार पाँच सौ एक मात्र)

सर्वतृतीय

सुश्री. अस्मिता लहू मेंढे,

तेरणा अभियांत्रिकी महाविद्यालय, उस्मानाबाद, महाराष्ट्र

₹ १००१/- (रुपये एक हज़ार एक मात्र)

सांत्वना पुरस्कार

श्री. सूरजकुमार मंगल यादव

महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा

₹ ५०१/- (रुपये पाँच सौ एक मात्र)

सुश्री. विधि जैन

कालिंदी महाविद्यालय दिल्ली

₹ ५०१/- (रुपये पाँच सौ एक मात्र)

सुश्री. दिव्या तानाजी पतंगे

नारायणराव वाघमारे महाविद्यालय, आखाडा बाळापुर, ता. कळमनुरी जि. हिंगोली

₹ ५०१/- (रुपये पाँच सौ एक मात्र)

विश्व हिंदी दिन के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता

उत्कृष्ट शोधालेख पठन पुरस्कार प्राप्त डॉ. संजय जोशी जी का सत्कार

जन्मदिन के अवसर पर गुरुवर प्रो. डॉ. अशोक मर्डे जी का सत्कार

हिंदी अध्ययन मंडल पर निर्वाचित गुरुवर प्रो. डॉ. अशोक मर्डे जी का सत्कार

संत कबीर की शब्द साधना विषय पर व्याख्यान देते हुए

संत कबीर पुरस्कार ग्रहण करते हुए

संत कबीर पुरस्कारार्थियों के साथ समूह चित्र

पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी, गजानन माधव मुक्तिबोध और डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र जी

की मूर्तियों के साथ

गजानन माधव मुक्तिबोध स्मारक के सम्मुख,

दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छत्तीसगढ़)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान परम्परा के आलोक में हिंदी संगोष्ठी में स्वागत

द्वितीयक कक्षाओं के लिए पाठ्यपुस्तक निर्मिती विषय पर व्याख्यान

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली के भवन में विद्वज्जनों के साथ

आज़ादी का अमृत महोत्सव आभासी सहभाग प्रमाणपत्र प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी जी

आज़ादी का अमृत महोत्सव आभासी सहभाग प्रमाणपत्र डॉ. संजय जोशी जी

आज़ादी का अमृत महोत्सव आभासी शौर्यकथा वाचन में सहभाग प्रमाणपत्र सुश्री. गीता सोती

आज़ादी का अमृत महोत्सव आभासी काव्य वाचन में सहभाग प्रमाणपत्र सुश्री. अमृता देशपांडे

राष्ट्रीय प्रतियोगिता

14 से 20 सितंबर 2021

14 सितंबर हिंदी दिवस तथा आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में
शौर्य कथा वाचन एवं देश भक्ति काव्य / गीत गायन

॥ आभार पत्र ॥

प्रमाणित किया जाता है कि,
प्रोफेसर/डॉ./ श्रीमति/सुश्री डॉ. विनोदकुमार वायचळ
पदनाम/संस्था व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय, उस्मानाबाद
ने शौर्य कथा वाचन एवं देश भक्ति काव्य/गीत गायन राष्ट्रीय प्रतियोगिता (हिंदी सप्ताह 14 से 20 सितंबर 2021) में सक्रिय सहभागिता देकर आयोजन को सफल एवं सार्थक बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया है.
इसीलिए यह प्रमाण पत्र दिया जाता है.

डॉ. अश्विन रांजणीकर	डॉ. दत्तात्रय येडले	डॉ. सुरेश मुंढे	डॉ. एस. आर. टकले
देवगिरी प्रांत संयोजक शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली.	हिंदी विभाग प्रमुख, श्री सं. सा. मा. ग्रा. महाविद्यालय फुलंब्री, जि. औरंगाबाद	हिंदी विभाग, श्री सं. सा. मा. ग्रा. महाविद्यालय फुलंब्री, जि. औरंगाबाद	प्राचार्य, श्री सं. सा. मा. ग्रा. महाविद्यालय फुलंब्री, जि. औरंगाबाद

आज़ादी का अमृत महोत्सव आभासी सहभाग प्रमाणपत्र

आज़ादी का अमृत महोत्सव आभासी सहभाग

अनुवाद विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

जवाहर महाविद्यालय, अणदूर के ऑनलाइन हिंदी सप्ताह में व्याख्यान

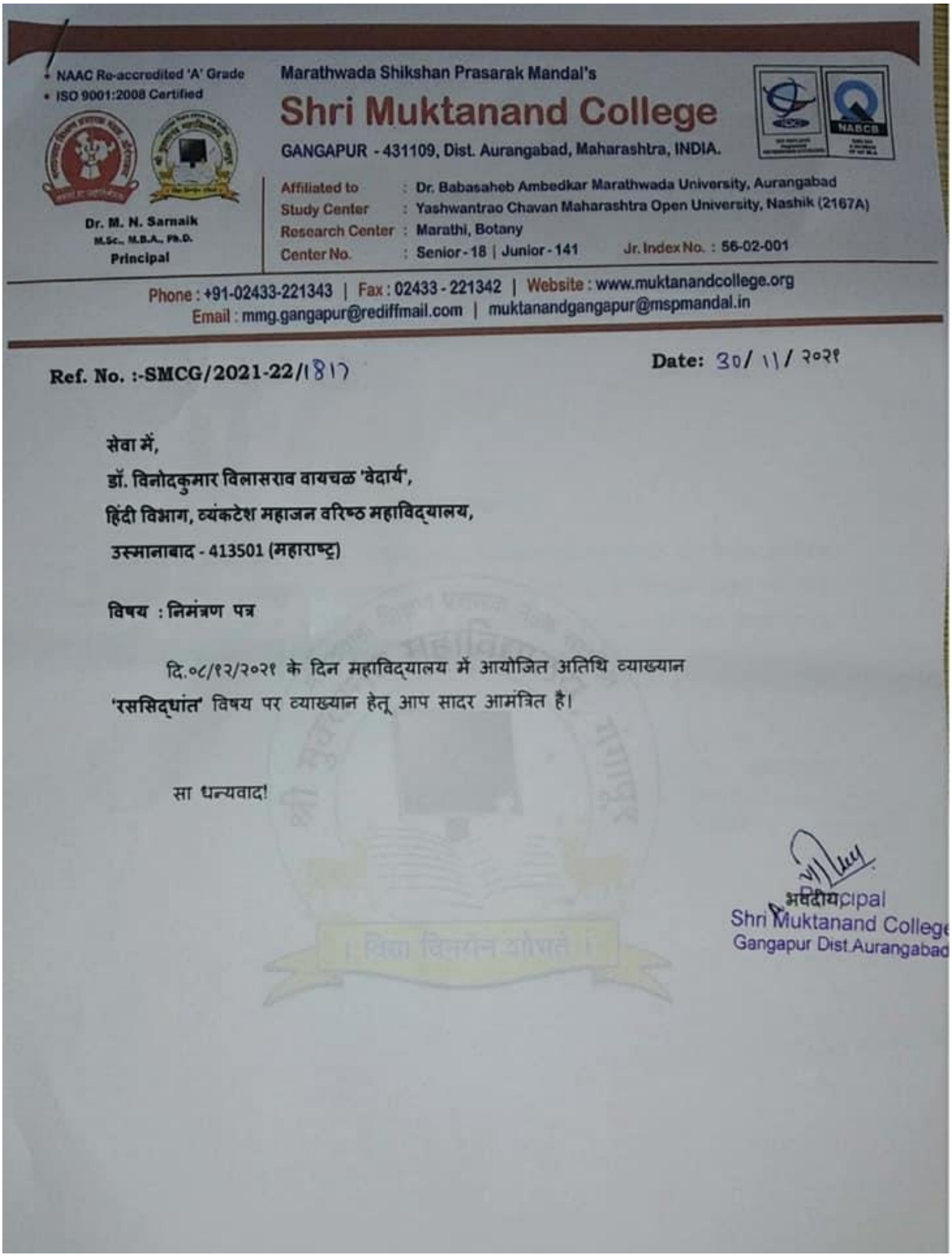

• NAAC Re-accredited 'A' Grade
• ISO 9001:2008 Certified

Dr. M. N. Sarnaik
M.Sc., M.B.A., Ph.D.
Principal

Marathwada Shikshan Prasarak Mandal's

Shri Muktanand College

GANGAPUR - 431109, Dist. Aurangabad, Maharashtra, INDIA.

Affiliated to : Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad
Study Center : Yashwantrao Chavan Maharashtra Open University, Nashik (2167A)
Research Center : Marathi, Botany
Center No. : Senior - 18 | Junior - 141 Jr. Index No. : 56-02-001

Phone : +91-02433-221343 | Fax : 02433 - 221342 | Website : www.muktanandcollege.org
Email : mmg.gangapur@rediffmail.com | muktanandgangapur@mspmandal.in

Ref. No. :-SMCG/2021-22/1817 **Date:** 30/ 11/ २०२१

सेवा में,
डॉ. विनोदकुमार विलासराव वायचळ 'वेदार्य',
हिंदी विभाग, व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय,
उस्मानाबाद - 413501 (महाराष्ट्र)

विषय : निमंत्रण पत्र

दि.०८/१२/२०२१ के दिन महाविद्यालय में आयोजित अतिथि व्याख्यान 'रससिद्धांत' विषय पर व्याख्यान हेतू आप सादर आमंत्रित है।

सा धन्यवाद!

भवदीय
Principal
Shri Muktanand College
Gangapur Dist.Aurangabad

मुक्तानंद महाविद्यालय, गंगापुर का रस सिद्धांत पर व्याख्यान के लिए आमंत्रण पत्र

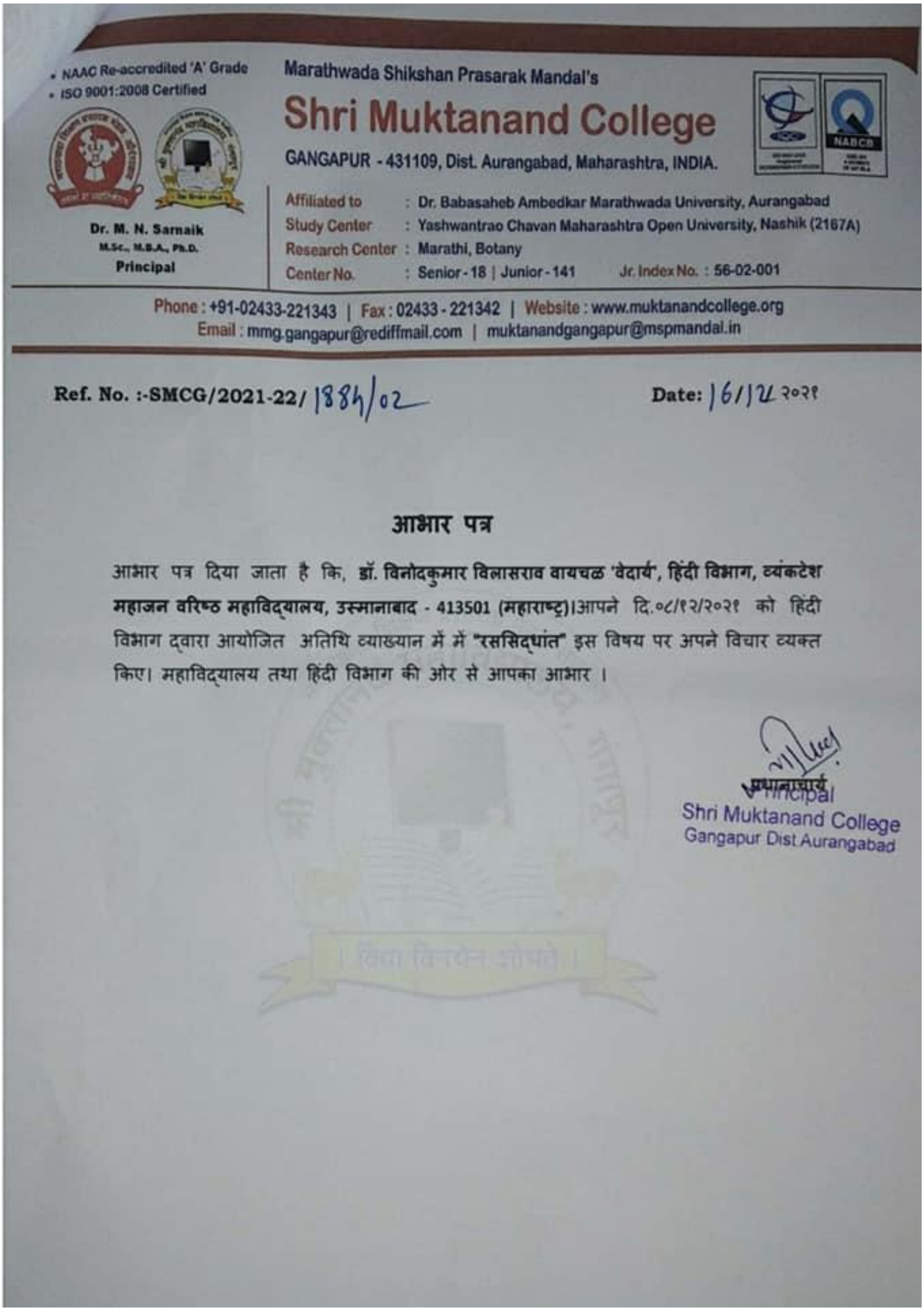

• NAAC Re-accredited 'A' Grade
• ISO 9001:2008 Certified

Marathwada Shikshan Prasarak Mandal's

Shri Muktanand College

GANGAPUR - 431109, Dist. Aurangabad, Maharashtra, INDIA.

Dr. M. N. Sarnaik
M.Sc., M.B.A., Ph.D.
Principal

Affiliated to : Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad
Study Center : Yashwantrao Chavan Maharashtra Open University, Nashik (2167A)
Research Center : Marathi, Botany
Center No. : Senior - 18 | Junior - 141 Jr. Index No. : 56-02-001

Phone : +91-02433-221343 | Fax : 02433 - 221342 | Website : www.muktanandcollege.org
Email : mmg.gangapur@rediffmail.com | muktanandgangapur@mspmandal.in

Ref. No. :-SMCG/2021-22/ 1884/02 **Date:** 16/12 २०२१

आभार पत्र

आभार पत्र दिया जाता है कि, **डॉ. विनोदकुमार विलासराव वायचळ 'वेदार्य', हिंदी विभाग, व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय, उस्मानाबाद - 413501 (महाराष्ट्र)**।आपने दि.०८/१२/२०२१ को हिंदी विभाग द्वारा आयोजित अतिथि व्याख्यान में में **"रससिद्धांत"** इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। महाविद्यालय तथा हिंदी विभाग की ओर से आपका आभार ।

प्रधानाचार्य
Principal
Shri Muktanand College
Gangapur Dist.Aurangabad

मुक्तानंद महाविद्यालय, गंगापुर का रस सिद्धांत पर व्याख्यान के लिए आभार पत्र

बिग एफ एम् रेडिओ पर संत कबीर की प्रासंगिकता पर व्याख्यान

प्रदेश इकाई छत्तीसगढ़
राष्ट्रीय संत कबीर सम्मान 5 वाँ वर्ष संचेतना समारोह
राष्ट्रीय संगोष्ठी : संत कबीर की वर्तमान प्रासंगिकता
कें संदर्भ में दि. 14 जून कबीर जयंती 2022
स्थान - राजनांदगाँव (छ.ग.)
राष्ट्रीय संत कबीर सम्मान 2022
डॉ. विद्यासागर मिश्रा
श्री कान्हा कौशिक
डॉ. विनोद वायचल
प्रो. सरोज गुप्ता
कैलाश परमार
✻ विशिष्ट सम्मान संत कबीर ✻
डॉ. अनसूया अग्रवाल
डॉ. विनय पाठक
विनोद वर्मा
डॉ. स्वाति श्रीवास्तव
डॉ. सीमा श्रीवास्तव
डॉ. प्रभु चौधरी
डॉ. शैलचन्द्रा
डॉ. मुक्ता कौशिक
आयोजक
डॉ. रचना पाण्डेय
संयोजक
विजय मानिकपुरी
डॉ. भरत शेणकर
डॉ. शिवा लोहारिया
ओमप्रकाश प्रजापति
पूर्णिमा कौशिक
सीमा निगम
भारती यादव
प्रिया जैन
जयभारती चन्द्राकर
रजनी प्रभा
निर्मला सिन्हा
डॉ. उर्वशी कडवे
गोयत्री कैवट
भुवनेश्वरी जायसवाल
डॉ. मंजू साहू
गरिमा गर्ग

कबीर सम्मान

शाहू छत्रपती : स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थेतर्फे आयोजित जन्मशताब्दी महोत्सवाची सांगता

शिक्षणमहर्षी बापूजी साळुंखे यांनी बहुजन समाजाचे विद्यार्थी घडवले

कोल्हापुरात शुक्रवारी श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थेचे संस्थापक शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे यांच्या जन्मशताब्दी महोत्सवाच्या सांगता समारंभावेळी शाहू छत्रपती यांनी मार्गदर्शन केले. यावेळी डावीकडून अभयकुमार साळुंखे, लालासाहेब यादव, राजेंद्र शेजवळ उपस्थित होते.

सर्वसमावेश बंधुत्व हेच हिंदुत्व

सर्वोत्कृष्ट शाखा, शाळांचा केला सन्मान

या कार्यक्रमात शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे जन्मशताब्दीमहोत्सव स्मरणिका, अर्चना पानारी यांचा परिसस्पर्श, प्रा. विनोदकुमार वायचळ यांनी हिंदीत अनुवादित केलेला शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे (व्यक्तित्व एवं कार्य) आणि प्रा. मच्छिंद्र नांगरे यांचा डॉ. बापूजी साळुंखे आणि मराठवाडा या ग्रंथांचे प्रकाशन प्रमुख उपस्थितांच्या हस्ते

अनुदित पुस्तक प्रकाशन के समाचार

शनिवार दि. ३० एप्रिल २०२२ | दै. प्रीतिसंगम

संवेदनशील समाज निर्मितीमध्ये डॉ. बापूजी साळुंखे यांचे भरीव योगदान

अदृश्य काडसिध्देश्वर महाराज : शिक्षणमहर्षी जन्मशताब्दी महोत्सोव

कोल्हापूर/प्रतिनिधी : प्रतिभा आणि प्रयोग असल्यास उत्तम शिक्षक बनता येते. शरीराला श्रमाकडे व मनाला बुध्दीकडे नेणारे शिक्षण हवे. शिक्षणातून समाजाप्रती संवेदनशीलता जपली पाहिजे. देशात शिक्षण क्षेत्रात झपाट्याने बदल होत आहे. त्यामुळे कालानुरुप बदलून दर्शनशास्त्राच्या अध्ययनाला आणि नीतीमूल्यांच्या जपणूकीला महत्व द्यायला हवे. आपण सर्व साधनं आहोत, आपल्या आंतरिक शक्ती ओळखा, जीवनात यशस्वी होण्यासाठी क्रियाशील असणे गरजेचे आहे. प्रत्येकामध्ये राष्ट्र, समाज व आईवडिलांप्रती कृतज्ञता असायला हवी. आदर्श शिक्षक कसा असावा याचा वस्तुपाठ शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजींच्या तत्वज्ञानातून, कार्यातून आणि विचारातून प्रतीत होतो, असे उद्गार कणेरी मठाचे मठाधिपती मा. अदृश्य काडसिध्देश्वर महाराज यांनी व्यक्त केले.

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थेचे संस्थापक शिक्षणमहर्षी डॉ.

प्रमुख पाहुणे म्हणून ते बोलत होते. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी श्रीमंत शाहू छत्रपती महाराज होते.

आपल्या अध्यक्षीय मनोगतात श्रीमंत शाहू छत्रपती महाराज म्हणाले, समाजसुधाकांनी समाजामध्ये जी मूल्ये रुजविली; त्या मूल्यांना आदर्श ठेवून समाजामध्ये जबाबदार नागरिक घडविण्यासाठी शिक्षणमहर्षी डॉ.बापूजी साळुंखे यांनी तळागाळापर्यंत शिक्षणाची गंगा पोहोचवली.

कार्यक्रमाचे प्रास्ताविक व

म्हणाले, ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार या उदात हेतूने शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे यांनी श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थेची स्थापना केली. त्यामुळे या संस्थेतून तयार झालेले विद्यार्थी राजकीय, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, कला, क्रीडा क्षेत्रात उच्च पदापर्यंत कार्यरत आहेत. बापूजी ध्येयवादी शिक्षक होते. त्यांच्या कार्याचे योगदान शिक्षणक्षेत्रात सुवर्णाक्षरांनी लिहिले जावे, असे त्यांनी यावेळी सांगितले.

आपल्या मनोगतात आजच्या युगात कौशल्याधारित शिक्षणाची गरज असल्याचे मत व्यक्त केले. शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे जन्मशताब्दी महोत्सव समितीचे सचिव मा. प्राचार्य डॉ. राजेंद्र शेजवळ यांनी जन्मशताब्दी समितीच्या अहवालाचे वाचन केले. याबरोबर शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे यांच्या शैक्षणिक व सामाजिक कार्याची दखल घेऊन केंद्र शासनाने बापूजींना पद्म पुरस्काराने सन्मानित करावे अशी भावना व्यक्त केली.

स्मरणिका, सौ. अर्चना पानारी यांचा परिसस्पर्श, प्रा.डॉ. विनोदकुमार वायचळ यांनी हिंदीत अनुवादित केलेला शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे (व्यक्तित्व एवं कार्य) आणि प्रा.डॉ. मच्छिंद्र नांगरे यांचा डॉ. बापूजी साळुंखे आणि मराठवाडा या ग्रंथांचे प्रकाशन मान्यवरांच्या हस्ते करण्यात आले. यावेळी संस्थेतील एकूण ९ शाळांना सर्वोत्कृष्ट शाखा व स्वच्छ सुंदर गुणवत्तेची शाळा ... आले.

शाहीर आझाद नायकवडी यांनी शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे यांच्या जीवनावर आधारित स्वरचित पोवाडा सादर केला. संस्थेच्या सेक्रेटरी मा. प्राचार्या सौ. शुभांगी गावडे यांनी आभार मानले. सूत्रसंचालन सौ. शुभदा हिरेमठ व प्रा. महेश गायकवाड यांनी केले. यावेळी संस्थेचे सहसचिव (अर्थ) एस.एम. गवळी, संस्थेचे आजी-माजी पदाधिकारी व संस्थेच्या १३ जिल्हयातील ४०६ शाखांमधून

अनुदित पुस्तक प्रकाशन के समाचार

अध्यक्ष हिंदी विभाग
व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय,
उस्मानाबाद

व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय * उस्मानाबाद * कार्यालय

प्राचार्य
व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय
उस्मानाबाद ४१३५०१